>

Need to address drinking water and irrigation problems in the Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): सभापति महोदय, मैं बुंदेलखंड क्षेत्र से आता हूं। हमारा बुंदेलखंड पूरे हिंदुस्तान का मध्य क्षेत्र है, यह एकदम सैंटर का बहुत बड़ा भूभाग है। पहले वहां पर जल के बहुत स्रोत थे, जो आठवीं शताब्दी से लेकर 11वीं शताब्दी तक जब वहां चंदेल शासक थे तो उन्होंने उस बुंदेलखंड क्षेत्र की स्थिति को समझते हुए 7200 बड़े-बड़े तालाबों का निर्माण कराया था और वहां बहुत बड़ी मात्रा में खाद्यान्न पैदा होता था और मध्य भारत होने के कारण हिंदुस्तान के कोने-कोने में वहां से खाद्यान्न जाने में कम समय और कम खर्च लगता था। लेकिन बड़े दुर्भाग्य के साथ मुझे यह कहना पड़ रहा है कि पिछले दो दशकों से हमारे बुंदेलखंड में बारिश की कमी के कारण वहां सूखे की नहीं बल्कि अकाल की स्थिति है। वहां पानी का बहुत गंभीर संकट है। वहां जितने भी बड़े-बड़े जलाशय थे, वे सब सूख चुके हैं, अब बड़े-बड़े तालाबों में इस समय लोग क्रिकेट खेल रहे हैं, वे अब क्रिकेट ग्राउंड बन गये हैं। जानवरों के पानी पीने के लिए भी वहां कोई व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि पिछले दस वर्षों से वहां जो अकाल की स्थिति पैदा हुई है, उसे ध्यान में रखते हुए वहां बगल में हमारे क्षेत्र से मध्य प्रदेश में जो रिवर लिंकिंग प्रोजैक्ट केन-बेतवा नदी जोड़ने का प्रोजैक्ट है, वह हमारे संसदीय क्षेत्र के करीब 20 किलोमीटर दूर से निकल रहा है। आदरणीय उमा भारती जी ने अभी वहां का दौरा किया और सैंट्रल वाटर कमीशन और रिवर लिंकिंग प्रोजैक्ट के लोगों से जाकर मैंने सम्पर्क भी किया और उनसे वहां एक कैनाल की डिमांड की है, ताकि मेरे संसदीय क्षेत्र के सभी बांध वहां पर भर दिये जाएं।

अंत में मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सबसे पहले हमारे बुंदेलखंड के सभी जिलों को प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना से संतृप्त किया जाए। वहां इतना बड़ा भूभाग है, अगर वहां पर जल का इंतजाम हो जायेगा तो हिंदुस्तान के खाद्यान्न के भंडार भरने में देर नहीं लगेगी और 125 करोड़ की आबादी वाले देश में कभी खाद्यान्न का संकट पैदा नहीं होगा। धन्यवाद।

माननीय सभापति : श्री जगदम्बिका पाल, श्री शरद त्रिपाठी, श्री भैरो प्रसाद मिश्र, श्री सी.पी.जोशी, श्री रामचरण बोहरा, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्रीमती रीती पाठक एवं डा.मनोज राजोरिया को कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।